metadata, citation and similar papers at core.ac.uk
brought to you by CO
provided by CMFRI Digital Repo

मान्नार की खाडी में टूटिकोरिन तट पर जेम्पिलिडे कुल की मछलियों की मात्स्यिकी

मान्नार की खाडी में टूटिकोरिन तट पर गभीर सागर मत्स्यन के शुरुवात से लेकर आनायों और बडी जालाक्षि के गिलजालों (परुवलै) के अवतरणों में जेम्पिलिडे कुल की मछलियों का नियमित अवतरण हो रहा है।

गभीर वेलापवर्ती उष्णकटिबंधीय सागरों से जेम्पिलिडे की छह जातियों की उपस्थिति रिपोर्ट की जाती है। ये हैं *लेपिडोसाइबियम फ्लावोब्रन्नम,* (स्मित), *रुवेट्टस प्रेटियोसस* कोको, *जेम्पिलस सेरपेन्स,* कुविर स्नेक बाँगडा, *नियोएप्पिन्नुला ऑरिएन्टालिस* गिल क्राइस्ट और वॉनबोन्डे, *थाइसिटोइड्स मारलेय* (फ्लॉवर) और *थाइसिटेस ऑटन*। इनमें *एल. फ्लावोब्रन्नम, आर. प्रेटियोसिस* और *एन. ऑरिएन्टालिस* नियमित मात्स्यिकी के रूप में मछली अवतरणों में कहने योग्य योगदान दे रहे है।

वर्ष 2004-2006 के दौरान लगभग 15.4 टन जेम्पिलिडों का अवतरण बडी जालाक्षि (8-16 से मी) के गिलजालों (परुवलै) द्वारा किया गया था। इसमें 98.2% *एल. फ्लावोब्रन्नम* का योगदान था (चित्र-1) और शेष (1.8%) *आर. प्रेटियोसस* कोको तेल मछली की थी। मछुए और व्यापारियाँ इन अपरिचित जातियों को खरीदने में विमुख थे और उन्होंने शंका प्रकट की कि ये खाद्य योग्य है कि या नहीं। बाद में इनको मानव उपभोग के लिए उपयुक्त समझने पर खरीदने और विपणन करने लगे। इस कुल की प्रायः सभी मछलियाँ उच्च मात्रा में तेल देने वाली हैं, इसलिए इनकी विपणन शक्यता भी उच्च है। 45 से 105 से मी आकार की मछलियों के लिए प्रति किग्रा 30-50/- रु का उचित मूल्य भी प्राप्त हुआ। इस मात्स्यिकी और ट्यूना मात्स्यिकी का श्रृंगकाल जून-सितंबर के दौरान एक ही है। *टी. मारलेय* को भी विरल मात्रा में परुवलै अवतरणों में देखा गया था।

वर्ष 2004-2006 के दौरान आनायकों द्वारा लगभग 236.5 टन *नियोएप्पिन्नुला ऑरिएन्टालिस* पकडा गया था (सारणी - II)। वर्ष में 26406 आनायकों द्वारा 79 टन की पकड की गयी थी। आकार 16-30 से मी के बीच देखा गया। प्रारंभ में इसको भी मानव उपभोग के लिए उपयुक्त नहीं माना जाता था। लेकिन बाद में बहुत स्वादिष्ट मछली के रूप में उच्च मूल्य प्राप्त होने लगा। प्रति कि ग्रा 20-40 रु. में इसको बेच दिया गया। इसका स्थानीय नाम है 'सीला कुट्टी' (सुरमई बच्चे)। *जेम्पिलस सेरपेन्स,* स्नेक बाँगडा, *थर्सिटोइड्स मारलेय* और *थर्सिटस ऑटन* भी कभी कभी आनाय अवतरणों में विरल उपस्थिति दिखाती थी।

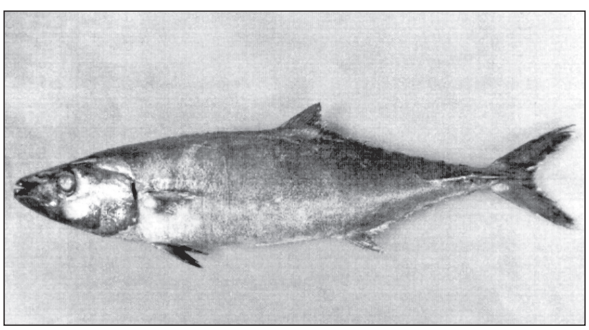

चित्र - 1. *लेपिडोसाइबियम फ्लावोब्रन्नम*

पत्रव्यवहार

टी.एस. बालसुब्रमण्यन और ई.एम. अब्दुसमद
सी एम एफ आर आइ टूटिकोरिन अनुसंधान केंद्र, टूटिकोरिन

सारणी - 1: टूटिकोरिन में 2004-2006 के दौरान बडी जालाक्षि के गिलजालों (परुवलै) द्वारा *लेपिडोसाइबियम फ्लावरोब्रन्नम* और *रुवेट्टस प्रेटियोसस* का माहवार आकलित अवतरण कि ग्रा में

वर्ष	जनवरी	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्तूबर	नवंबर	दिसंबर	कुल
2004	506	427	1121	72	–	66	–	*126	2318
2005	44	–	545	5562	2002	30	–	–	8183
2006	–	–	–	4316	373	124	*122	–	4935
कुल	550	427	1666	9950	2375	220	*122	*126	15436

* *रुवेट्टस प्रेटियोसस*

सारणी - 2: टूटिकोरिन में 2004-2006 के दौरान आनायकों द्वारा *नियोएप्पिन्नुला ऑरिएन्टालिस* का माहवार आकलित अवतरण कि ग्रा में

वर्ष	जनवरी	फरवरी	मार्च	नवंबर	दिसंबर	कुल
2004	–	47238	5460	1584	–	54372
2005	13894	3584	7492	–	–	24970
2006	–	4080	–	10759	142296	157135
कुल	13894	54992	12952	12343	142296	236477

वेलापवर्ती मछली *पोम्पानो ट्राकिनोटस ब्लोचि* का कन्या-फसल काट

उच्च दामवाला उष्णकटिबंधीय समुद्री पखमछलियों में *पोम्पानो ट्राकिनोटस ब्लोचि* का महत्वपूर्ण स्थान है। सी एम एफ आर आई में 2008 के दौरान इसकी जलकृषि केलिए प्रारंभ किया प्रयास हाल में सफल दशा पर पहूँच गई। मछलियों का प्रेरित प्रजनन, डिंभक उत्पादन और तालाब पालन से यह व्यक्त हो गया है यह जलकृषि के लिए अनुयोज्य मछली है।

17 अप्रैल 2012 को आंध्रा प्रदेश में जलकृषि से संग्रहित पोम्पानो